पांडवों के पिता पांडु मरने के करीब थे तो उन्हों ने अपने पुत्रों से कहा कि बुद्धिमान बनने और ज्ञान हासिल करने के लिए वे उनका मस्तिष्क खा जाएं सहदेव ने केवल उनकी इच्छा पूरी की और उनके मस्तिष्क को खा लिया पहली बार खाने पर उसे दुनिया में हो चुकी चीजों के बारे में जानकारी मिली दूसरी बार खाने पर उसने वर्तमान में घट रही चीजों के बारे में जाना और तीसरी बार खाने पर उसे भविष्य में क्या होनेवाला है, इसकी जानकारी मिली